संस्कृत– पाठ्यक्रमः
कक्षा – षष्ठी

दिव्यम् – पाठ्यपुस्तकम् भाग–1 (रचना सागर)
दिव्यम् –व्याकरण पुस्तकम्

मासः	शीर्षकम् (साहित्य)	व्याकरणम् रचनात्मक–कार्यम्	शिक्षण –अधिगमस्य प्रतिफलम्	नूतन– शिक्षण –विधयः कला– एकीकरणम् अंतर्विषयी– दृष्टिकोणः	गतिविधयः/ क्रियाकलापः
अप्रैल	संस्कृत–वर्णमाला (पठन हेतु) शब्द परिचयः (संज्ञा) धातु – परिचयः (क्रिया)	धातु परिचयः धातु रूप–पठ्, अस् (लट् लकार) पठ् धातु का कर्ता के साथ प्रयोग	वर्णविच्छेद –संयोजन का ज्ञान, कर्ता के अनुसार क्रिया का प्रयोग कर वाक्य निर्माण करने की योग्यता का विकास करना। धातु रूपों का ज्ञान व धातुओं के प्रकार	**हिन्दी विषय के साथ एकीकृत–**कर्ता के अनुसार क्रिया का प्रयोग कर वाक्य निर्माण करना सिखाना।	संस्कृत में पशुओं व पक्षियों के नाम याद कर कक्षा में सुनाएँ।
मई	सर्वनाम परिचयः प्रथमपुरुषः	सर्वनाम शब्दों का ज्ञान व प्रयोग पुरुष विचार	छात्र उचित सर्वनाम शब्दों का प्रयोग करने में सक्षम होंगे। संस्कृत में तीनों पुरूषों के कर्ताओं एवं क्रियाओं का ज्ञान।	**हिन्दी विषय के साथ एकीकृत–**सर्वनाम शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य निर्माण करना सिखाना।	वचन एवं लिंगानुसार सर्वनाम शब्दों का वर्गीकरण।
जुलाई	मध्यमपुरुषः उत्तमपुरुषः	अशुद्धिसंशोधन धातु रूप –खाद्, कृ, गम्, दृश् (लट् लकार)	संस्कृत में वार्तालाप करने की क्षमता का विकास करना। लिंग–वचन–पुरुष सम्बन्धी अशुद्धियों का ज्ञान। धातु रूपों का ज्ञान एवं प्रयोग।	**हिन्दी विषय के साथ एकीकृत–**संस्कृत में वार्तालाप करना सिखाना। वाक्यों में लिंग–वचन–पुरुष सम्बन्धी अशुद्धियों पर चर्चा/परिचर्चा। धातु रूपों के निर्माण एवं प्रयोगपर चर्चा/परिचर्चा।	संस्कृत में वार्तालाप

	सुभाषितानि (पठन हेतु)		श्लोकों का शुद्धोच्चारण तथा सस्वर वाचन करने में समर्थ होंगे।	**संगीत विषय के साथ एकीकृत–** श्लोकों का शुद्धोच्चारण तथा सस्वर वाचन करना सिखाना।	सस्वर–श्लोकगायन
अगस्त	कारकपरिचयः कर्ताकारकः (प्रथमा विभक्तिः) अभ्यास प्रश्नपत्रम् मम उद्यानम् (पठन हेतु)	कारक परिचय शब्द रूप – बालक, बालिका, फल संख्या एक से दस तक	पठित पाठों का पुनराभ्यास कारकचिह्नों , शब्द रूपों का ज्ञान कराना। छात्र मेघालय व अरुणाचल प्रदेश के प्राकृतिक सौंदर्य से अवगत होंगे।	**हिन्दी विषय के साथ एकीकृत–** कारकचिह्नों का वाक्यों में प्रयोग करना सिखाना। पठित पाठों के पुनराभ्यास पर चर्चा/परिचर्चा **कला के साथ एकीकृत .** संस्कृतभाषा में प्राकृतिक वर्णन करना सिखाना।	मेघालय /अरुणाचल प्रदेश के प्राकृतिक सौंदर्य पर एक पोस्टर बनाएँ तथा चित्र सम्बन्धित संस्कृत पद भी लिखें।**(एक भारत श्रेष्ठ भारत गतिविधि)**
सितम्बर	कर्मकारकः(द्वितीया विभक्तिः) करणकारकः(तृतीया विभक्तिः) सम्प्रदानकारकः(चतुर्थी विभक्तिः)	संख्या एक से चार तक (तीनों लिगों में) संख्याधारित चित्र वर्णन उपपदविभक्ति (द्वितीया)–प्रति,अनु,गम्, विना	द्वितीया विभक्ति के शब्दरूपों का ज्ञान। संस्कृत में लिंगानुसार संख्याओं का प्रयोग करने की योग्यता का विकास करना। तृतीया व चतुर्थी विभक्ति के शब्दों का लिंगानुसार तथा वचनानुसार वाक्य में प्रयोग करने की योग्यता विकास करना।	**गणित व कला विषय के साथ एकीकृत–** द्वितीया विभक्ति के शब्दरूपों का ज्ञान व प्रयोग करना सिखाना। संस्कृत में लिंगानुसार संख्याओं का प्रयोग करना सिखाना। **हिन्दी विषय के साथ एकीकृत–** तृतीया व चतुर्थी विभक्ति के शब्दरूपों को	शरीर का चित्र निर्माण कर उसके अंगों के नाम लिंगानुसार संख्यावाची शब्दों का प्रयोग कर संस्कृत में लिखें।

				लिंगानुसार तथा वचनानुसार वाक्य में प्रयोग करना सिखाना।	
अक्तूबर	अर्धवार्षिक परीक्षा हेतु पुनराभ्यास	उपपदविभक्ति (तृतीया)–सह, अलम्, विना उपपदविभक्ति (चतुर्थी) –दा, नमः	उपपदविभक्ति का ज्ञान व प्रयोग।	उपपदविभक्तियों का वाक्य में प्रयोग करना सिखाना।	
नवम्बर	अपादानकारकः(पंचमी विभक्तिः) सम्बन्धकारकः(षष्ठी विभक्तिः) अभ्यास प्रश्नपत्रम्	उपपदविभक्ति (पंचमी)–भी, विना शब्द रूप– अस्मद्, युष्मद् अपठित अवबोधनम्	छात्र पंचमी व षष्ठी विभक्ति के शब्दों का लिंगानुसार तथा वचनानुसार प्रयोग करने की योग्यता का विकास। पठित पाठों का पुनराभ्यास उपपदविभक्ति का ज्ञान व प्रयोग। शब्द–रूपों का ज्ञान व प्रयोग। अपठित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों को हल करने की योग्यता का विकास करना।	**हिन्दी विषय के साथ एकीकृत–** पंचमी व षष्ठी विभक्ति के शब्दरूपों को लिंगानुसार तथा वचनानुसार प्रयोग करना सिखाना। शब्द–रूपों का वाक्यों में प्रयोग करना सिखाना। अपठित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों को हल करना सिखाना।	
दिसम्बर	अधिकरणकारकः(सप्तमी विभक्तिः) मम परिवारः	शब्द रूप– किम् (तीनों लिंगों में)	छात्र संस्कृतभाषा में स्वपरिचय देने में सक्षम होंगे। शब्द रूप– किम् के आधार पर प्रश्ननिर्माण करने की योग्यता का	**समाजिक विज्ञान विषय के साथ एकीकृत–** सगे–सम्बन्धियों के लिए प्रयुक्त होने वाले शब्दों को संस्कृतभाषा में सिखाना। संस्कृतभाषा में प्रश्ननिर्माण करना सिखाना।	संस्कृतभाषा में स्वपरिचय एक वंश वृक्ष का निर्माण कर उसमें सगे–सम्बन्धियों के लिए प्रयुक्त होने वाले संस्कृतवाचक शब्दों को लिखिए।

		संख्या ग्यारह से बीस तक संवाद–पूर्ति	विकास। संस्कृत में संख्याावाची शब्दों का ज्ञान व प्रयोग। मंजूषा की सहायता से संवाद–पूर्ति करने की योग्यता का विकास।	संस्कृत में संख्याावाची शब्दों के प्रयोग पर चर्चा/ परिचर्चा। मंजूषा की सहायता से संवाद–पूर्ति करना सिखाना।	
जनवरी	लृट् लकारः अभ्यास प्रश्नपत्रम्	धातु रूप – पठ्, गम्, दृश्, कृ (लृट् लकार) शब्द रूप– तत् (तीनों लिंगों में) चित्र वर्णन	लृट्लकार की क्रिया के साथ उचित कर्ता का प्रयोग करने की योग्यता का विकास। पठित पाठों का पुनराभ्यास लृट्लकार की क्रिया के साथ उचित कर्ता का प्रयोग कर वाक्य निर्माण करने की योग्यता का विकास करना।	**क्ला के साथ एकीकृत.** लृट्लकार की क्रिया के साथ कर्ता का प्रयोग करना सिखाना।	लट् लकार के वाक्यों को लृट् लकार में परिवर्तित कर चार्ट बनाएँ।
फरवरी	पुनरावृत्ति व संकलित परीक्षा	पुनरावृत्ति	पठित पाठों का पुनराभ्यास		